SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Drone Pilot

ड्रोन पायलट (रिमोट पायलट) ज़मीन से ड्रोन को नियंत्रित करके सर्वेक्षण, मानचित्रण, फ़िल्म शूटिंग, डिलीवरी, निरीक्षण और आपदा राहत जैसे काम करता है। भारत में व्यावसायिक ड्रोन उड़ाने के लिए डी.जी.सी.ए. का रिमोट पायलट प्रमाणपत्र चाहिए,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/drone-pilot

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

ड्रोन पायलट (रिमोट पायलट) ज़मीन से ड्रोन को नियंत्रित करके सर्वेक्षण, मानचित्रण, फ़िल्म शूटिंग, डिलीवरी, निरीक्षण और आपदा राहत जैसे काम करता है। भारत में व्यावसायिक ड्रोन उड़ाने के लिए डी.जी.सी.ए. का रिमोट पायलट प्रमाणपत्र चाहिए, जो 10वीं पास और 18 वर्ष की आयु होने पर सिर्फ 5–7 दिन के कोर्स से मिल जाता है। यह तेज़ी से बढ़ता नया करियर है, जिसमें गाँव-कस्बों के युवाओं के लिए भी अच्छे अवसर हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10वीं पास, आयु 18–65 वर्ष, डी.जी.सी.ए. रिमोट पायलट प्रमाणपत्र
कार्य-शैली	खुले मैदान में काम — सर्वे स्थल, निर्माण स्थल, फ़िल्म सेट; यात्रा अधिक
माँग	ऊँची और बढ़ती — सर्वेक्षण, डिलीवरी, निरीक्षण, सिनेमा सभी क्षेत्रों में
शीर्ष कमाई	विशेषज्ञ पायलट (मानचित्रण, निरीक्षण) ₹1 लाख/माह से अधिक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- मशीनें, गैजेट और रिमोट से चलने वाली चीज़ें उड़ाना-चलाना
- खुले में घूम-घूम कर तकनीक से जुड़ा काम करना
- फोटो-वीडियो बनाना, नक्शे और ऊँचाई से दिखने वाले दृश्य

क्षमताएँ

- हाथ-आँख का अच्छा तालमेल और दिशा-दूरी की सटीक समझ
- नियमों का कड़ाई से पालन और सुरक्षा की आदत
- शांत रहकर ध्यान से नियंत्रण करना, जल्दबाज़ी नहीं

ज़रूरी कौशल

- ड्रोन उड़ाना, बैटरी प्रबंधन और छोटी-मोटी मरम्मत
- जी.आई.एस. एवं मानचित्रण सॉफ़्टवेयर से आँकड़े तैयार करना
- उड़ान से मिले आँकड़ों को कंप्यूटर पर सँभालना और रिपोर्ट बनाना
- डी.जी.सी.ए. नियम, हवाई क्षेत्र के नक्शे और उड़ान-अनुमति की समझ
- हवाई फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की तकनीक
- ग्राहक से बातचीत और छोटे व्यवसाय की समझ

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 पास करें (कोई भी विषय) — यही न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता है; 12वीं तक पढ़ाई नौकरी में मदद करती है।
2. स्कूल के दौरान कंप्यूटर, नक्शे और फोटो-वीडियो की बुनियादी समझ बनाएँ।
3. 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर डी.जी.सी.ए. से मान्य आर.पी.टी.ओ. में छोटे वर्ग (स्मॉल क्लास) का 5–7 दिन का कोर्स करें — लिखित परीक्षा और उड़ान परीक्षा पास करें।
4. डिजिटल स्काई पोर्टल से रिमोट पायलट प्रमाणपत्र प्राप्त करें (10 वर्ष तक वैध)।
5. किसी एक विशेषज्ञता में कौशल जोड़ें — सर्वेक्षण-मानचित्रण, फ़िल्म शूटिंग, निरीक्षण या डिलीवरी — और उड़ान के घंटे बढ़ाकर लॉगबुक बनाएँ।
6. ड्रोन सेवा कंपनियों में नौकरी से शुरुआत करें; अनुभव के बाद मध्यम वर्ग का प्रमाणपत्र लेकर बड़े ड्रोन उड़ाएँ या अपनी ड्रोन-सेवा शुरू करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- कोई राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा नहीं — डी.जी.सी.ए. मान्य आर.पी.टी.ओ. में लिखित परीक्षा और उड़ान कौशल परीक्षा पास करनी होती है

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Indira Gandhi Rashtriya Uran Akademi (IGRUA) — अमेठी, उत्तर प्रदेश (https://igrua.gov.in/)
- RPTO at Agriculture University, Jodhpur — जोधपुर, राजस्थान (https://aujodhpur.ac.in/)

निजी संस्थान

- Dronum India Aviations (DGCA RPTO) — जयपुर, राजस्थान (https://dronum.in/)
- Drone Rangers India (DGCA RPTO) — जयपुर, राजस्थान
- Drone Destination (multi-city RPTO chain) — गुरुग्राम एवं अन्य शहर

ऑनलाइन

- Digital Sky - DGCA drone portal (registration, certificates) — ऑनलाइन (https://digitalsky.aai.aero/)
- Skill India Digital (drone-related awareness courses) — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

फ़ीस

छोटे वर्ग का आर.पी.टी.ओ. कोर्स (5–7 दिन): लगभग ₹25,000–65,000। मध्यम वर्ग (बड़े ड्रोन) का कोर्स ₹80,000–1.5 लाख तक। कुछ सरकारी योजनाओं में प्रशिक्षण शुल्क पर छूट मिलती है।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Skill India Digital - free/subsidised skill courses (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सर्वे और खनन स्थल, निर्माण परियोजनाएँ, फ़िल्म-विज्ञापन सेट, बिजली लाइनें व सौर संयंत्र, डिलीवरी हब, आपदा राहत क्षेत्र — ज़्यादातर काम खुले मैदान में और अलग-अलग शहरों-गाँवों में होता है।

कार्य-संस्कृति

छोटी टीमों में सुबह जल्दी शुरू होने वाला काम; मौसम और बैटरी के हिसाब से योजना बनती है। उड़ान-नियमों और नो-फ़्लाई ज़ोन का कड़ा पालन ज़रूरी है। नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांस (प्रोजेक्ट के हिसाब से) कमाई का भी चलन है।

कौन नौकरी देता है

- ड्रोन सर्वेक्षण एवं मानचित्रण कंपनियाँ (भूमि रिकॉर्ड, खनन, रेल-सड़क परियोजनाएँ)
- फ़िल्म, विज्ञापन, समाचार और शादी की शूटिंग करने वाले स्टूडियो
- बिजली, तेल-गैस, सौर एवं मोबाइल टावर कंपनियों के निरीक्षण विभाग
- ड्रोन निर्माता कंपनियाँ — परीक्षण पायलट व प्रशिक्षक के रूप में
- ड्रोन डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स स्टार्टअप
- सरकारी विभाग — सर्वेक्षण, पुलिस, आपदा प्रबंधन एवं नगर निकाय

माँग (2026)

भारत में 2026 तक लगभग 40,000 प्रमाणित रिमोट पायलट और 38,000 से अधिक पंजीकृत व्यावसायिक ड्रोन हैं, फिर भी कुशल पायलट कम पड़ रहे हैं। सरकारी अनुमानों के अनुसार आने वाले वर्षों में 1 लाख से अधिक ड्रोन पायलटों की ज़रूरत होगी — सर्वेक्षण, बीमा, डिलीवरी, खनन, फ़िल्म और आपदा प्रबंधन सभी में माँग बढ़ रही है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्रशिक्षु / सहायक ड्रोन पायलट (प्रमाणपत्र के तुरंत बाद)
2. प्रमाणित ड्रोन पायलट — सर्वे, शूटिंग या निरीक्षण परियोजनाओं पर
3. वरिष्ठ पायलट / आँकड़ा विशेषज्ञ (जी.आई.एस., मध्यम वर्ग प्रमाणपत्र)
4. मुख्य पायलट, परियोजना प्रबंधक या आर.पी.टी.ओ. प्रशिक्षक
5. अपनी ड्रोन-सेवा कंपनी के मालिक

कमाई

शुरुआत	₹1.8–3.6 लाख/वर्ष
मध्य स्तर	₹4–7 लाख/वर्ष
वरिष्ठ स्तर	₹9–15 लाख/वर्ष

शुरुआती वेतन ₹15,000–30,000/माह; मानचित्रण, निरीक्षण या प्रशिक्षण जैसे विशेषज्ञ काम में ₹1 लाख/माह से अधिक संभव। फ्रीलांस कमाई प्रोजेक्ट और सीज़न पर निर्भर करती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कम पढ़ाई-खर्च में प्रवेश — 10वीं पास और एक छोटा कोर्स ही काफ़ी
- तेज़ी से बढ़ता क्षेत्र — सर्वे से सिनेमा तक कई तरह के काम चुन सकते हैं
- नौकरी के साथ फ्रीलांस और अपना व्यवसाय शुरू करने की आज़ादी

चुनौतियाँ

- शुरुआत में आमदनी प्रोजेक्ट और सीज़न पर निर्भर, हर महीने एक जैसी नहीं
- धूप-बारिश में बाहर काम; मौसम और बैटरी की सीमाओं से उड़ानें रुकती हैं
- नियम कड़े हैं — नो-फ़्लाई ज़ोन या लापरवाही पर जुर्माना और प्रमाणपत्र रद्द होने का जोखिम

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rinsha Pattakal
ड्रोन पायलट (सर्वेक्षण, मानचित्रण एवं सिनेमैटोग्राफ़ी)

केरल के मलप्पुरम की रिंशा पट्टाकल अपने प्रशिक्षण बैच की अकेली लड़की थीं। सरकारी कौशल संस्था के 96 घंटे के कोर्स में उन्होंने ड्रोन उड़ाने के साथ 3-डी मानचित्रण, हवाई सर्वेक्षण और सिनेमैटोग्राफ़ी सीखी और डी.जी.सी.ए. का रिमोट पायलट प्रमाणपत्र पाने वाली केरल की पहली महिला बनीं। उनका मानना है कि निगरानी, बचाव कार्य, फोटोग्राफी और डिलीवरी — हर क्षेत्र में ड्रोन क्रांति ला रहे हैं।

ASAP Kerala (Government of Kerala) · https://asapkerala.gov.in/articles/soaring-high-in-the-world-of-drones-a-success-story-of-rinsha-pattakal-from-malappuram/

Uddesh Pratim Nath
प्रमाणित ड्रोन पायलट (मानचित्रण एवं परिसंपत्ति निरीक्षण)

23 वर्षीय उद्देश प्रतिम नाथ पहले ड्रोन डिज़ाइन करते थे, फिर उन्होंने सिर्फ 5 दिन का प्रशिक्षण लेकर डी.जी.सी.ए. प्रमाणपत्र हासिल किया। प्रमाणपत्र मिलते ही उनके लिए सर्वेक्षण-मानचित्रण, परिसंपत्ति निरीक्षण और कृषि जैसे कई क्षेत्रों के दरवाज़े खुल गए। अब वे मानचित्रण में उपयोग होने वाले ड्रोनों की उड़ान-जाँच करते हैं और भारी, बड़े ड्रोन उड़ाने में महारत हासिल करना चाहते हैं।

BBC News · https://www.bbc.com/news/business-62966802

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. डी.जी.सी.ए. आधिकारिक पोर्टल — https://www.dgca.gov.in/digigov-portal/
2. डिजिटल स्काई — ड्रोन पंजीकरण एवं रिमोट पायलट प्रमाणपत्र — https://digitalsky.aai.aero/
3. इग्रुआ (नागर विमानन मंत्रालय) — डी.जी.सी.ए. प्रमाणित ड्रोन प्रशिक्षण — https://igrua.gov.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in